IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

जनपद पीलीभीत के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा–8 में अध्ययनरत बालिकाओं की सामाजिक विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धियों का तुलनात्मक अध्ययन

अमित कुमार शर्मा, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बीसलपुर, पीलीभीत।
महेन्द्र कुमार सिंह, प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बीसलपुर, पीलीभीत।

सारांश

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा–8 में अध्ययनरत बालिकाओं की सामाजिक विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धियों की क्या स्थिति है तथा सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है या नही? यह जानने के लिए प्रस्तुत शोध कार्य जनपद पीलीभीत के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा–8 में अध्ययनरत बालिकाओं की सामाजिक विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धियों को जानने के लिए सम्पनं किया गया। शोध कार्य करने के लिए तथा बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धियों को ज्ञात करने के लिए कक्षा–8 के सामाजिक विज्ञान विषय के स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। जिसमें शोध कार्य के न्यादर्श का चुनाव यादृच्छिक प्रति चयन विधि का प्रयोग करते हुए जनपद पीलीभीत के 5 विकास खण्डों के 5 कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और 5 परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों का चयन स्तरीकृत न्यादर्श विधि से किया गया है। शोध कार्य से प्राप्त प्रदत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण माध्य, मध्यमान, मानक विचलन और टी–मान की गणना के आधार पर किया गया है। शैक्षिक उपलब्धियों का तुलनात्मक अध्ययन करने पर निष्कर्ष रुप में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धियों में सार्थक अन्तर नही पाया गया।

कूट शब्दः– सामाजिक विज्ञान, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, शैक्षिक उपलब्धि स्तर।

प्रस्तावना

सामाजिक विज्ञान मानव के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और ऐतिहासिक गतिविधियों का अध्ययन है, यह मानव के अधिकारों और कर्तव्यों को इंगित करता है। मानव विकास के लिये सामाजिक विज्ञान का अध्ययन बहुत ही आवश्यक है क्योंकि इस विषय के अध्ययन से उत्कृष्ठ समाज की रचना की जा सकती है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में ही मनुष्य का जन्म, विकास एवं अभिवृद्धि होती है अर्थात् मनुष्य का जन्म और उन्नति समाज में रहकर एवं समाज के सहयोग से होता है और समाज की उन्नति मुनष्य के सहयोग

के बिना असम्भव है। सामाजिक विज्ञान ने समाज में एक विकास की क्रान्ति के रूप में अपनी पहचान बनायी है। सामाजिक विज्ञान ने अच्छी आदतों, आचरण, कौशलों का विकास अन्तःनिर्भरता की भावना का विकास, समाजवादी दृष्टिकोण, सामाजिक जटिलताओं का विकास, वर्तमान को समझने का विकास और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण का विकास किया है। सामाजिक विज्ञान हमें स्वयं को, दूसरों के साथ हमारे सम्बन्धों को समझने में मदद करता है।

हमारे इतिहास में घटित घटनाओं व भूगोल में उल्लिखित तथ्य तथा एक अच्छे नागरिक बनाने में नागरिकशास्त्र की महत्ता सम्पूर्णरुप में सामाजिक विज्ञान के अंतर्गत देखने को मिलती है परन्तु यह देखा गया है कि सामाजिक विज्ञान में विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि स्तर संतोषजनक नही है। अतः शोधकर्ता के द्वारा जनपद पीलीभीत के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा–8 में अध्ययनरत बालिकाओं की सामाजिक विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धियों का तुलनात्मक अध्ययन की आवश्यकता जान पड़ी है।

भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा बालिकाओं को शिक्षा में प्रोत्साहन देने के लिए किये जा रहे सतत् प्रयासो में राष्ट्रीय स्तर से संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना भी उनमें से एक है। इस योजना के अर्न्तगत वंचित एवं पिछड़े वर्ग की ऐसी बालिकाएं जो सुविधाहीन तथा दुर्गम स्थानो पर निवास करती हैं, उनके लिए सभी आवश्यक सुविधायुक्त आवासीय विद्यालय संचालित है। शैक्षिक व्यवस्था से विद्यार्थियों में सद्गुण, बुद्धिमत्ता, सदाचार और सीखने की शक्ति का विकास यथार्थ रूप से होता है। यदि विद्यार्थियों को उचित प्रकार की शैक्षिक व्यवस्था एवं वातावरण में शिक्षित करें तो वह दृढ़ व पूर्ण रूप से विकसित होती है। सामाजिक एवं पारिवारिक रूढ़िवादियों, अंधविश्वासों और कुप्रथाओं के कारण बालिकाओं को शिक्षा से वंचित किया गया है। आज भी ऐसे कई कारण है। जिसके कारण हमारे समाज में स्त्री शिक्षा को महत्व नही दिया जा रहा है, घर के बाहर स्त्री स्वयं को सुरक्षित नही मानती तथा आये दिन अपराधो के भय से अभिभावक बालिकाओं को शिक्षा के लिए घर से दूर भेजना पसन्द नही करते हैं। भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा शिक्षा की दृष्टि से पिछड़े हुए विकास खण्डों में महिला साक्षरता दर को बढ़ाने एवं महिला–पुरूष की सभी प्रकार की असमानता को दूर करने के लिए कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय वित्तीय वर्ष 2004 से प्रारम्भ किये गये। ये विद्यालय अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली बालिकाओं के लिए संचालित है, यहाँ कक्षा 06 से कक्षा 08 तक की प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान की जाती है। इन विद्यालयों में बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा, भोजन एवं आवास की सुविधा प्रदान की जाती है। इन विद्यालयों में बालिकाओं को मुफ्त शिक्षा, रहना–खाना, यूनिफार्म, किताब–कॉपी, पेन–पेन्सिल, दैनिक जरूरत की चीजें जैसे :– साबुन, तेल आदि प्रदान की जाती है। इन्हे छात्रवृत्ति प्रदान किये जाने की सुविधा भी प्राप्त है। ऐसे विद्यालयों में प्रदत्त सुविधाओं का इन बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह जानना आवश्यक हैं। अतः इस शोध की आवश्यकता महसूस की गयी।

कूट शब्दों का परिभाषीकरण

- **सामाजिक विज्ञान–** सामाजिक विज्ञान से तात्पर्य इतिहास, भूगोल, नागरिकशास्त्र तथा अर्थशास्त्र के संयुक्त रुप से है।
- **कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय–** भारत सरकार द्वारा अगस्त 2004 में बालिकाओं की निःशुल्क शिक्षा के लिए उच्च प्राथमिक स्तर पर आवासीय विद्यालयों का प्रारम्भ किया गया।
- **परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय–** उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित वह विद्यालय जो कक्षा–6 से 8 तक के विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करते है।
- **शैक्षिक उपलब्धि–** विद्यार्थियों की विभिन्न विषयों में प्राप्त परिणामों के आधार पर शैक्षिक योग्यता से है।

शोध उद्देश्य

जनपद पीलीभीत के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा–8 में अध्ययनरत बालिकाओं की सामाजिक विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धियों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

जनपद पीलीभीत के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा–8 में अध्ययनरत बालिकाओं की सामाजिक विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धियों के तुलनात्मक अध्ययन में सार्थक अन्तर नही है।

शोध सीमांकन

शोधकर्ता ने अपने शोध अध्ययन क्षेत्र को निम्नलिखित सीमाओं तक सीमित रखा है–

1. प्रस्तुत शोध कार्य पीलीभीत जिले के 5 विकास खण्ड मरौरी, ललौरीखेड़ा, अमरिया, पूरनपुर और पीलीभीत नगर क्षेत्र में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–8 की बालिकाओं तक ही सीमित किया गया है।
2. प्रस्तुत शोध कार्य पीलीभीत जिले के 5 विकास खण्ड मरौरी, ललौरीखेड़ा, अमरिया, पूरनपुर और पीलीभीत नगर क्षेत्र में संचालित उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–8 की बालिकाओं तक ही सीमित किया गया है।
3. प्रस्तुत शोध कार्य 5 विकास खण्ड के 5 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों और 5 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं पर कुल 10 विद्यालयों पर किया गया है।

शोध उपकरण

जनपद पीलीभीत के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा–8 में अध्ययनरत बालिकाओं की सामाजिक विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धियों के तुलनात्मक अध्ययन हेतु शोधकर्ता के द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है, जिसमें सामाजिक विज्ञान के 40 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का

संकलन किया गया है जिसका पूर्णांक 40 है अर्थात् प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का तथा इसे हल करने की अवधि 01 घण्टा दिया गया है।

शोध विधि

शोध अध्ययन हेतु शोधकर्ता द्वारा शोध विधि के लिए वर्णनात्मक अनुसंधान के सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

शोध कार्य में कक्षा–8 में अध्ययनरत बालिकाओं के सामाजिक विज्ञान के प्रति शैक्षिक उपलब्धियों का अध्ययन किया जा रहा है। इसमें किसी मूलभूत सिद्धांत का प्रतिवेदन नही करना है अपितु वर्तमान तथ्यों को एकत्रित करने के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध अध्ययन में न्यादर्श चयन विधि

प्रस्तुत शोध समस्या के अध्ययन हेतु न्यादर्श के चुनाव हेतु यादृच्छिक न्यादर्श विधि का चयन किया गया है। जनपद पीलीभीत के कुल 8 विकास खण्डों में से 5 विकास खण्डों का चयन गुच्छ न्यादर्श विधि से करने के उपरान्त प्रत्येक विकास खण्ड के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों से यादृच्छिक न्यादर्श की रैंडम लाटरी विधि से 10–10 बालिकाओं का चयन करते हुए कुल 100 बालिकाओं का चयन न्यादर्श हेतु किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियां :

1. माध्य
2. माध्यमान
3. मान विचलन
4. टी परीक्षण

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

उपर्युक्त परिकल्पना के आधार पर प्रयुक्त शोध प्रश्नावली से प्राप्त अनुक्रियाओं का गुणात्मक विश्लेषण निम्नलिखित है:

सारणी–1: जनपद पीलीभीत के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा–8 में अध्ययनरत बालिकाओं की सामाजिक विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धि का सांख्यिकीय विवरण

क्र0 स0	विद्यालय	बलिका संख्या (N)	माध्य	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	DF	T- मान	परिणाम
1	कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–8 की बालिकाएं	50	31.66	32	5.70	100–2 = 98	2.94	स्वीकृत
2	उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–8 की बालिकाएं	50	29.18	30				

इस शोध का उद्देश्य जनपद पीलीभीत के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा–8 में अध्ययनरत बालिकाओं की सामाजिक विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धियों का तुलनात्मक अध्ययन करना था। शोधकर्ता ने पूर्व में निर्धारित किये उद्देश्यों एवं परिकल्पनाओं के अनुसार परीक्षण में प्राप्त आंकड़ों का क्रमवार विश्लेषण किया, जो इस प्रकार है–

प्रदत्तों की गणना से प्राप्त परिणामों के आधार पर उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में कक्षा 8 में अध्ययनरत बालिकाओं व उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं के मध्यमान क्रमशः 32 व 30 है, इनका मानक विचलन 5.70 है, इनका T–मान 2.94 है, जो स्वतन्त्रता के अंश 98 के लिए T का सारणी मान 1.98 स्तर पर 2.94 है। इस प्रकार T का गणना मान सारणी मान से अधिक है जो सार्थक अन्तर प्रदर्शित नहीं करता है। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की बालिकाओं एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, अतः परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

चित्र–1: जनपद पीलीभीत के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा–8 में अध्ययनरत बालिकाओं की सामाजिक विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धि का चित्रात्मक विवरण

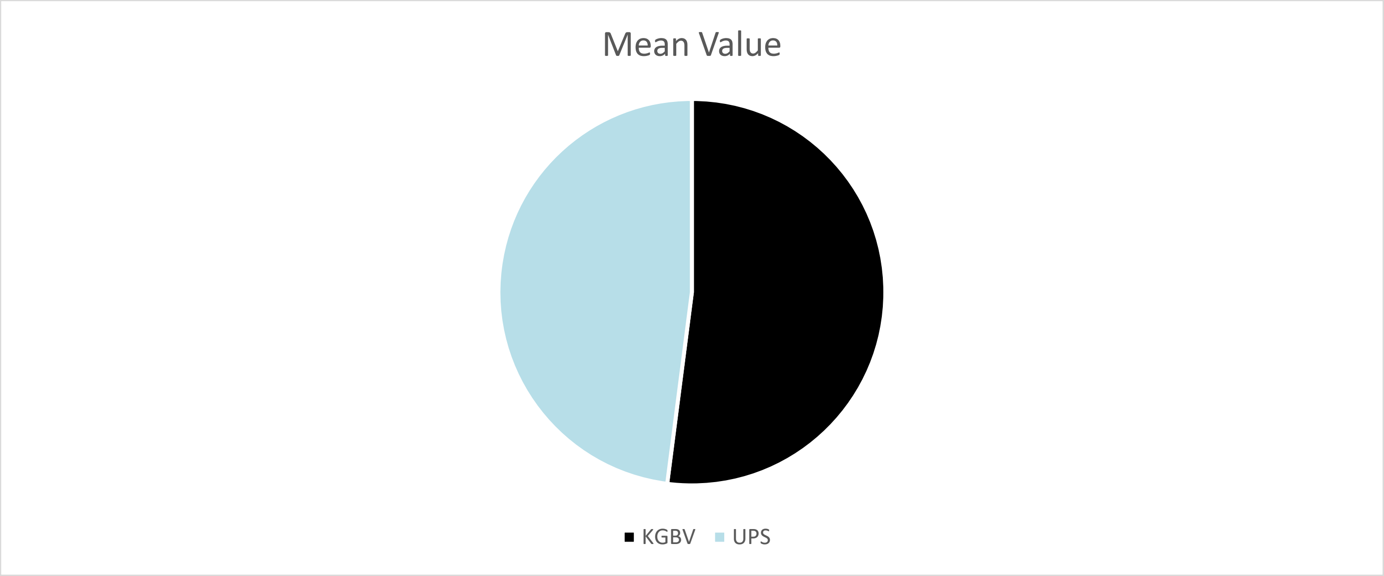

निष्कर्ष

संकलित आंकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण के द्वारा शोध परिकल्पना की जाँच की गयी तथा विश्लेषण के आधार पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय व परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के कक्षा 08 में अध्ययनरत बालिकाओं की सामाजिक विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धियों का तुलना करने में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, ऐसा संभवतः दोनो ही प्रकार के विद्यालयों में पाठ्य–सामग्री, विद्यालय का शैक्षिक वातावरण, शिक्षकों की अर्हता समान या समकक्ष है तथा सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जा रही पाठ्य सह–सामग्री के समान होने के कारण प्रतीत होता है।

सुझाव

यद्यपि शोधकर्ता ने अपने इस शोध को वैज्ञानिक एवं वस्तुनिष्ठ पूर्वक सम्पन्न किया है परन्तु यह गर्व नही कर सकता है कि यह आदर्श शोध है, प्रस्तुत शोध में अनेक सीमायें थी और इसके पृष्ठपोषण के लिए पर्याप्त क्षेत्र है। इसलिए भविष्य में अनुसंधान हेतु निम्नलिखित शीर्षकों के सुझाव प्रस्तुत है जिससे की प्रस्तुत शोध के परिणामों की सत्यता प्रमाणित हो सके।

1. प्रस्तुत शोध कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय व उच्च प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत अध्यापकों की शैक्षिक योग्यता पर भी किया जा सकता है।
2. प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है इस अध्ययन में प्रयोगात्मक विधि का अध्ययन करके निष्कर्ष प्राप्त किया जा सकता है।
3. प्रस्तुत शोध कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय और माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों पर भी किया जा सकता है।
4. सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापकों की कमी को दूर करके बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाया जा सकता है।

सन्दर्भ

- देवांगन, सीताराम (2006–2007) कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में अध्यनरत बालिकाओं व उच्च प्राथमिक विद्यालय के शैक्षिक वातावरण का बालिकाओं के समायोजन स्तर पर एवं शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन।
- शर्मा आर0ए0 – शिक्षा मनोविज्ञान एवं सांख्यिकी आर0लाल पुस्तक डिपो, मेरठ
- मुखर्जी रविन्द्र नाथ – सामाजिक शोध व सांख्यिकी।
- लहरें, विजय कुमार (1997) – आश्रम शाला एवं सामान्य शाला के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचियों एवं शैक्षिक उपलब्धियों का तुलनात्मक अध्यन।
- बुच0एम0बी0 – थर्ड सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली 1974
- राय, नीलम (2010–11)– सामान्य शालाओं व कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की शैक्षिक व्यवस्था के सन्दर्भ में उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन।
- गुप्ता एस0बी0 – सांख्यिकीय विधियां शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
- गुप्ता, रामेश्वर प्रसाद (2004)–प्राथमिक शिक्षा के लोकव्यापीकरण के परिप्रेक्ष्य मे ग्रामीण बालिका एवं महिला शिक्षा की समस्याएँ एवं उनके निराकरण के उपायों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।